Bd – परमेश्वर का वचन यूहन्ना के पास आया, जकर्याह का पुत्र,
जंगल में मरकुस १:१; लूका ३:१-२ | 1

– Save This Page as a PDF–

परमेश्वर का वचन यूहन्ना के पास आया,

जकर्याह का पुत्र, जंगल में

मरकुस १:१ और लूका ३:१-२

खोदाई: यहां और ल्यूक १:८० में जॉन द बैपटिस्ट के प्रकट होने के बीच का समय अंतराल कितना लंबा है? आपको क्या लगता है कि उन बीच के वर्षों में योचनन क्या कर रहा था? क्यों? लूका इन आयतों में सभी राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की सूची क्यों देता है?

प्रतिबिंब: आपकी शुरुआत येशु के साथ कब हुई थी? यह आपकी गवाही है। आपको दूसरों को यह समझाने में सक्षम होना चाहिए कि आप कैसे मसीह के पास आए। इसमें केवल कुछ मिनट लगने चाहिए। आपको हर उस व्यक्ति को उत्तर देने के लिए हमेशा तैयार रहने की आवश्यकता है जो आपसे आपकी आशा का कारण बताने के लिए कहता है (पहला पतरस ३:१५a)।

इस्राएल के लोग अच्छी तरह जानते थे कि चार सौ वर्षों से भविष्यवाणी की आवाज खामोश थी। वे परमेश्वर की ओर से किसी प्रामाणिक वचन की प्रतीक्षा कर रहे थे, और यहोवा चुप्पी तोड़ने के लिए तैयार था क्योंकि उसने इस्राएलियों के लिए भविष्यद्वक्ताओं में से आखिरी को भेजा था। और जब यूहन्ना बोला, तो उन्होंने उसका शब्द सुना। जीवन के हर क्षेत्र में विशेषज्ञ की पहचान होती है। हम तुरंत जान जाते हैं जब एक वक्ता वास्तव में अपने विषय को जानता है। यूहन्ना यहोवा के पास से आया था और उसे सुनना उसे जानना था।

साहित्य में कुछ महान आरंभिक पंक्तियाँ हैं। ए टेल ऑफ़ टू सिटिज़ में चार्ल्स डिकेंस का परिचय सबसे अक्सर उद्धृत किया जाता है, “यह सबसे अच्छा समय था, और यह सबसे बुरा समय था।” एक और हरमन मेलविले के मोबी डिक की पहली पंक्ति है, “मुझे इश्माएल बुलाओ।” समकालीन साहित्य में, कई लोग अर्नेस्ट हेमिंग्वे की प्रतिभा पर अपने पाठक की रुचि को बढ़ाने और आने वाली कहानी को पूर्वनिर्धारित करने के लिए ध्यान आकर्षित करते हैं, जब वह साधारण वाक्य के साथ द ओल्ड मैन एंड द सी शुरू करते हैं, “वह एक बूढ़ा आदमी था जो अकेले मछली पकड़ता था।” लेकिन पवित्र शास्त्र के उत्प्रेरित लेखक की कोई तुलना नहीं कर सकता। एक छोटे और गहन वाक्य में, मरकुस अपने विषय की घोषणा करता है और पूरी सुसमाचार कहानी की एक सामान्य रूपरेखा देता है: परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के बारे में शुभ समाचार की शुरुआत (मरकुस 1:1)। यूहन्ना की सेवकाई लगभग एक वर्ष तक चली वर्ष। प्रेरितों के काम में सभी चार सुसमाचार और कई सारांश (प्रेरितों के काम 1:21-22, 10:37, 13:27, 19:4),

Bd – परमेश्वर का वचन यूहन्ना के पास आया, जकर्याह का पुत्र,
जंगल में मरकुस १:१; लूका ३:१-२ | 2

सुसमाचार की शुरुआत के साथ युहन्ना की उपस्थिति की पहचान करते हैं।

आरम्भ (मरकुस १:१a): यह यूहन्ना या यीशु का आरम्भ नहीं है। यह सुसमाचार की शुरुआत है जब यीशु मसीह इस पृथ्वी पर आए और जगत के पापों के लिए क्रूस पर मरे और तीन दिन के बाद फिर से जी उठे। वह, मेरे दोस्त, खुशखबरी है। बाइबल में तीन शुरुआत दर्ज हैं। वे हैं:

१. आदि में वचन था (यूहन्ना १:१)। यह अनंत काल तक वापस चला जाता है, सभी समय से पहले एक शुरुआत। यहां मानव मन केवल अंधेरे में इधर-उधर भटक सकता है। उड़ान भरने के लिए हमें अपना पेग अतीत में कहीं रखना चाहिए। अगर मैं हवा में हवाई जहाज देखता हूं, तो मैं मान लेता हूं कि कहीं हवाई अड्डा है। मैं नहीं जानता कि यह कहां है, लेकिन मुझे पता है कि विमान ने कहीं से उड़ान भरी थी। इसलिए जब हम ब्रह्मांड के चारों ओर देखते हैं, तो हम जानते हैं कि यह कहीं से शुरू हुआ है, और वह कहीं भगवान है। हालाँकि हम उस शुरुआत के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। भगवान हमसे मिलने के लिए अनंत काल से बाहर आते हैं। हमें बस अपनी खूंटी उस बिंदु पर रखनी है जहां वह हमसे मिला था, जहां तक मैं सोच सकता हूं, और महसूस कर सकता हूं कि वह उससे पहले वहां था।

२. आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की (उत्पत्ति १:१)। यह वह जगह है जहां हम अनंत काल से समय में निकल जाते हैं। हालाँकि बहुत से लोगों ने इस ब्रह्माण्ड की तिथि जानने का प्रयास किया है, कोई नहीं जानता कि यह कितना पुराना है। यह शायद लगभग छह हजार साल पुराना है, लेकिन कुछ धर्मनिरपेक्ष लेखक डायनासोर के वर्षों को समायोजित करने का एक तरीका खोजने की कोशिश करते हैं और सृजन की कहानी में अरबों साल का हिसाब लगाते हैं। हम इतना कम जानते हैं, परन्तु जब हम उसकी उपस्थिति में आते हैं और जैसा हम जानते हैं वैसा ही पूरी तरह से जानना शुरू करते हैं, तब हम जान पाएंगे कि हम दर्पण में केवल प्रतिबिम्ब ही देखते हैं (पहला कुरिन्थियों १३:१२)। मुझे यकीन है कि हम इस बात से चकित होंगे कि हम वास्तव में इस जीवन में कितना कम जानते थे। भगवान महान हैं और हमेशा समय पर सही होते हैं।

३. सुसमाचार/खुशखबरी की शुरुआत । .।.(मरकुस १:१), वही है जो आदि से था। . . (पहला यूहन्ना १:१)। यह दिनांकित है। यह उस समय तक जाता है जब यीशु मसीह ने ठीक उसी क्षण अपने आप को मानव शरीर धारण किया। ग्रीक में शुभ समाचार यूएगेलिओन, या शुभ समाचार का संदेश है। यह शब्द मूल रूप से किसी भी तरह की अच्छी खबर के लिए इस्तेमाल किया जाता था। उदाहरण के लिए, एक नए रोमन सम्राट के राज्याभिषेक की घोषणा को शुभ समाचार कहा जाता था। लेकिन इंजीलवादियों ने इस शब्द को इसके धर्मनिरपेक्ष उपयोग से बदल दिया, और उद्धार के संदेश को शुभ समाचार के रूप में बताया। इसलिए, येशु मसीहा शुभ समाचार है।

भूमि के सुदूर पूर्वोत्तर भाग में, कम से कम भाग में मनश्शे के प्राचीन कब्जे

Bd – परमेश्वर का वचन यूहन्ना के पास आया, जकर्याह का पुत्र,
जंगल में मरकुस १:१; लूका ३:१-२ | 3

में, फिलिप टेट्रार्क से संबंधित प्रांत थे। टिबेरियस सीज़र के शासन के पंद्रहवें वर्ष में – जब पोंटियस पीलातुस यहूदिया का गवर्नर था, गैलील के हेरोदेस टेट्रार्क, इटुरिया और ट्रैकोनिटिस के उनके भाई फिलिप टेट्रार्क और एबिलीन के लिसानियास टेट्रार्क – हन्ना और कैफा के उच्च-पुजारी के दौरान, परमेश्वर का वचन जंगल में जकर्याह के पुत्र यूहन्ना के पास पहुंचा (लूका ३:१-२)।

लुका, इतिहासकार, पहचान करने के लिए सावधान था वह समय जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने लौकिक इतिहास को तारीखों से जोड़कर अपनी भविष्यवाणी की सेवकाई शुरू की। समय पका हुआ था। रोम, जिसने पूरी ज्ञात दुनिया पर पूर्ण नियंत्रण रखा था, ऑगस्टस के तहत अपने विकास के उच्चतम शिखर पर पहुंच गया था और गिरावट पर था। दो दर्शनशास्त्र, एपिक्यूरिज्म और रूढ़िवाद, सर्वोच्चता के लिए संघर्ष करते थे; लेकिन पूर्व ने कामुकता का नेतृत्व किया, बाद वाला गर्व का, और दोनों निराशा का। अंत में नास्तिकता बड़े पैमाने पर दार्शनिकों के बीच प्रबल हुई। सभी विजित लोगों के सभी धर्मों को रोम में सहन किया गया, लेकिन किसी ने भी उनके जीवन में आध्यात्मिक शून्यता को संतुष्ट नहीं किया। गुलामी व्यापक थी, और उनके खिलाफ अवर्णनीय क्रूरता का अभ्यास किया जाता था। विवाह की पवित्रता लुप्त हो चुकी थी और केवल घोटालों के नाम रह गए थे। सम्राटों की पूजा ने घृणित वासनाओं के साथ-साथ स्वच्छंद देवत्व को जन्म दिया। अधिकार के स्थान पर बल आ गया, और न्याय न मिला। लोगों के पतित स्वाद अवैध सार्वजनिक मनोरंजन के लिए दौड़े, जिसमें सम्राट रोम के नागरिकों को संतुष्ट करने के लिए अखाड़े में हजारों लोगों को मार डालेगा। दान गायब हो गया और ईमानदार शारीरिक श्रम को तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाने लगा। रोम के तत्त्वज्ञान ने कोई आशा नहीं दी बल्कि केवल गहरी अनैतिकता को जन्म दिया।

रोमन जगत को न केवल परमेश्वर के सन्देश की सख्त जरूरत थी, बल्कि इस्राएल राष्ट्र को भी उसके सुसमाचार की जरूरत थी। प्रांतों में स्थितियाँ कुछ अधिक अनुकूल थीं, लेकिन यह रोम की नीति थी कि सभी विषयगत राष्ट्रीयताओं को आत्मसात कर लिया जाए। लेकिन यहूदी एक ईश्वर की पूजा करते रहे और अपनी जातीय पहचान को बनाए रखा। बाबुल की बन्धुवाई के बाद, वे अब विदेशी देवताओं की पूजा करने के लिए लालायित नहीं थे। लेकिन रोम ने फिर भी उन्हें नियंत्रित किया। यहूदिया में न्यायाधीशों ने महायाजक को चार बार बदला था, हालाँकि इसे आजीवन कार्यकाल का पद माना जाता था; जब तक उन्होंने कैफा को ढूंढ़कर नियुक्त नहीं कर दिया, जो रोमन अत्याचार के लिए कठपुतली बनने को तैयार था। हिंसा, डकैती, अपमान, व्यभिचार, बिना मुकदमे के हत्याएं, और क्रूरता रोमन शासन की विशेषता थी।

फिलिस्तीन में धार्मिक स्थिति खतरनाक स्तर तक गिर गई थी। बहुत सारी नकली पूजा थी
– लेकिन थोड़ा सा विश्वास। फरीसियों ने अलगाव पर बल दिया परन्तु सच्ची पवित्रता पर नहीं। यह विश्वास करते हुए कि उन्हें स्वर्ग में एक स्थान की गारंटी दी गई थी क्योंकि वे इब्राहीम की सन्तान थे, उन्होंने इस तथ्य को खो दिया कि जो पाप करता है वही आत्मिक रूप से मरेगा (यहेजकेल १८:२०)। शास्त्रियों ने शास्त्रों के

Bd – परमेश्वर का वचन यूहन्ना के पास आया, जकर्याह का पुत्र,
जंगल में मरकुस १:१; लूका ३:१-२ | 4

प्रति महान भक्ति का दावा किया, लेकिन परंपरावाद पर जोर दिया और खुद को बढ़ावा देने की मांग की। उन्होंने जीवन के हर विवरण के लिए नियमों को कई गुना बढ़ा दिया, जब तक कि वे एक ऐसा बोझ नहीं बन गए जिसे उठाना मुश्किल हो गया हो। मसीह के समय तक उनके पास मोशे के तोराह में छह सौ तेरह आज्ञाओं में से प्रत्येक के लिए लगभग पंद्रह सौ मौखिक कानून थे। मौखिक कानून (Ei देखें – मौखिक कानून) को इश्वर के टोरा से बेहतर होने के बिंदु पर उठाया गया था, जिसके परिणामस्वरूप टोरा अंततः हाशिए पर था।

सदूकियों ने फरीसी अलगाव और श्रेष्ठता की हवा का उपहास किया, लेकिन वे स्वयं उदासीन थे और मृत्यु के बाद जीवन में विश्वास नहीं करते थे। इस प्रकार, उन्होंने इस जीवन में वह सब कुछ हड़प लिया जो वे कर सकते थे। वे नैतिकता की प्रशंसा करते थे लेकिन खुद आराम और आत्म-भोग के जीवन को प्राथमिकता देते थे। वे रोमन अधिकारियों के पक्षधर थे और बदले में बिना किसी विरोध के उनके अत्याचार को स्वीकार कर लिया (देखें Ja – किसके पत्नी होगी वो पुनरुथान में?)।

तिबेरियस सीज़र के शासन के पन्द्रहवें वर्ष में २६ ईस्वी सन् में था (लूका ३:१a)। युहाना को रेगिस्तान, या जंगल में गए हुए बीस या तीस साल हो चुके थे। फ़िलिस्तीन में टिबेरियस के शासन में कठोरता की विशेषता थी, और रोम में यहूदियों को गंभीर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। ऐसा लगता है कि लूका ने ऑगस्टस सीजर की मृत्यु से इन वर्षों की गणना की, पंद्रहवां वर्ष शायद २८ ईस्वी सन् होगा, एक वर्ष अधिक या कम। अन्य शासकों का संदर्भ विशेष रूप से एक विशिष्ट तिथि प्राप्त करने में सहायक नहीं होता है जब यूहन्ना ने अपनी सेवकाई शुरू की थी क्योंकि ऐसे कई वर्ष थे जहां उनके नियम ओवरलैप हुए थे। परन्तु लूका ने सटीक तिथि जानने के लिए उनके नामों का उल्लेख नहीं किया; उन्होंने ऐसा उद्धार के इतिहास की एक निर्णायक घटना को विश्व इतिहास के संदर्भ में जोड़ने के लिए किया।

जब यूहन्ना ने यरदन नदी के तट पर प्रचार किया और यीशु अपनी असली पहचान को प्रकट करने ही वाले थे, पोंटियस पिलातुस २६ ईस्वी सन् से 36 ईस्वी सन् तक यहूदिया का राज्यपाल बनने के लिए कैसरिया के समुद्र तटीय गढ़वाले शहर में किनारे पर आ गया (लूका ३:१b)। यह एक दयनीय नियुक्ति थी, क्योंकि यहूदिया को शासन करने के लिए एक कठिन स्थान के रूप में जाना जाता था। और वह यहूदियों का मित्र न था। उनके पहले आधिकारिक कृत्यों में से एक था, यरूशलेम में रोमन सैनिकों को मानकों (एक धातु के खंभे के ऊपर स्थित एक ईगल की मूर्ति) को सजाने के लिए, ईगल के ठीक नीचे टिबेरियस कैसर की समानता वाले एक प्रतीक के साथ। यहूदियों के लिए यह तोराह द्वारा मना की गई मूर्ति थी। जब वे विरोध में उठे तो पीलातुस ने यह सोचकर प्राणदण्ड देने का नाटक किया कि वे पीछे हट जाएँगे। लेकिन यहूदियों ने झुक कर अपनी गर्दनें बाहर निकाल लीं, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे अपने विश्वासों के लिए मरने के लिए तैयार थे। पहली बार पीलातुस वाई यहूदी विश्वास के दृढ़ संकल्प को अपनी आँखों से देखा। उसने अपने सैनिकों को नीचे खड़े होने का आदेश दिया और मानकों को हटा दिया

Bd – परमेश्वर का वचन यूहन्ना के पास आया, जकर्याह का पुत्र,
जंगल में मरकुस १:१; लूका ३:१-२ | 5

गया।

पोंटियस पिलाट ने यहूदियों से निपटने के लिए केवल एक नई रणनीति तैयार की। उसने कैफा, एक सदूकी, जो अपने ससुर अन्नस के लिए कार्यवाहक महायाजक था, के साथ एक असहज बंधन बना लिया। जेरूसलम में धार्मिक जीवन पर उनका पूरा अधिकार था, जिसमें यहूदी कानून को लागू करना भी शामिल था। बेशक, जबकि कैफ़ा सज़ा दे सकता था, वह पिलातुस था जिसने फैसला किया कि क्या इसे लागू किया जाना चाहिए। पीलातुस एक रोमन था। कैफा एक यहूदी था। वे अलग-अलग देवताओं की पूजा करते थे, अलग-अलग खाना खाते थे, अपने लोगों के भविष्य के लिए उनकी अलग-अलग उम्मीदें थीं और अलग-अलग भाषाएं बोलते थे। माना जाता है कि पीलातुस ने एक दिव्य सम्राट की सेवा की थी, जबकि कैफा ने कथित तौर पर भगवान की सेवा की थी। लेकिन उन्हें यूनानी भाषा पर अधिकार था और उनका विश्वास था कि सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें कुछ भी करने का अधिकार है।

हेरोदेस एंटिपास गैलील का टेट्रार्क था (Fl देखें – युहन्ना बप्तिस्मा देनेवाला का सर काटना) और पेरिया, जिसने 4 ईसा पूर्व से ३९ ईस्वी तक शासन किया (लूका ३:१c, ३:१९, ८:३, ९:७ और ९, १३ भी देखें) :३१, २३:७-१२; प्रेरितों के काम ४:२७, १२:१-२३, १३:१, २३:२५): वह हेरोदेस महान का पुत्र था, या जैसा कि कई लोग उसे कहते थे – हेरोदेस द पैरानॉयड (देखेंAv – बिद्वान की यात्रा)।

हेरोदेस का सौतेला भाई फिलिप इटुरिया और ट्रैकोनिटिस का टेट्रार्क था (लूका ३:१d): उसने जॉर्डन के पूर्व में ४ ईसा पूर्व से ३४ ईस्वी तक शासन किया था। फिलिप भी हेरोदेस महान का पुत्र था।

और लिसानियास, लुका की गवाही से और आधुनिक उत्खनन द्वारा पुष्टि की गई, एबिलीन का टेट्रार्क था (लूका ३:१e): यह अनिश्चित है कि पबित्र आत्मा ने लुका को लिसानियास का उल्लेख करने के लिए क्यों प्रेरित किया क्योंकि उसके बारे में बहुत कम जानकारी है। कुछ लोगों ने अनुमान लगाया है कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लुका माना जाता है कि वह सीरिया से आया था, और एबिलीन ने सीरिया की सीमा तय की थी।

यूहन्ना की सेवकाई हन्ना और कैफा के उच्च-पुरोहितत्व के दौरान भी शुरू हुई (लूका ३:२a): १४ ईस्वी सन् में रोमियों द्वारा हन्ना को पदच्युत कर दिया गया था और उसके दामाद कैफा को स्थान दिया गया था, लेकिन यहूदियों ने हन्ना को सही मानना जारी रखा। महायाजक क्योंकि उन्होंने महायाजकत्व को जीवन के लिए एक पद के रूप में देखा (यूहन्ना १८:१३)। पूरे सुसमाचार में बहुवचन “महायाजक” पाया जाता है, और हन्ना को प्रेरितों के काम ४:६ और यूहन्ना १८:१९ में महायाजक कहा गया है।

परमेश्वर का वचन जकर्याह के पुत्र यूहन्ना के पास आया (लूका ३:२b): यहाँ परमेश्वर का वचन रीमा, या बोला गया शब्द है, न कि लोगोस, या लिखित वचन। इसलिए, जॉन ने स्वर्ग से एक श्रव्य आवाज सुनी। यह तब था, कि उन्होंने अपना सेवकाई शुरू किया

Bd – परमेश्वर का वचन यूहन्ना के पास आया, जकर्याह का पुत्र,
जंगल में मरकुस १:१; लूका ३:१-२ | 6

जिसके लिए उनका जन्म हुआ था। इसी तरह का कथन हाग्गै की भविष्यवाणी (हाग्गै १:१), जकर्याह की भविष्यवाणी (जकर्याह १:१), और मलाकी की भविष्यवाणी (मलाकी १:१) के परिचय में पाया जाता है। यह वाक्यांश यहोवा की ओर से इस्राएल देश को दिए जाने वाले भविष्यसूचक संदेश का सूत्र था। परिणामस्वरूप, यूहन्ना इस्राएल के साथ उसी रिश्ते में खड़ा हुआ जैसा बेबीलोन की बन्धुवाई के बाद तीन महान भविष्यद्वक्ताओं ने किया था। वह यहोवा के लोगों के लिए यहोवा के सन्देश के साथ यहोवा का सन्देशवाहक था।

जंगल में (लूका ३:२c): अपने पिता जकर्याह के
रूप में मंदिर में सेवा करने के बजाय (देखें Ak – योहोना बप्तिस्मा देनेबाला का जन्म के बारे में भाबिसयाबानी कहा गया), या यरूशलेम शहर में दिखाई देने के बजाय, जैसा कि पोस्टएक्सिलिक भविष्यवक्ताओं के पास था, यूहन्ना अंदर चला गया जंगल और अपने पुरोहितवाद को त्याग दिया। उनकी जीवन-शैली ने ही सुझाव दिया कि वे अपने समय की स्थापित धार्मिक व्यवस्था के बाहर थे। वह भ्रष्ट व्यवस्था में सेवा नहीं करना चाहता था, और इसलिए वह भविष्यद्वक्ता बन गया।

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला बाइबल में पाए जाने वाले सबसे उल्लेखनीय पात्रों में से एक है। उसने एलिय्याह के लोगों को याद दिलाया क्योंकि वे दोनों अपनी तैयारी के वर्षों के दौरान जंगल में थे। उन्होंने लोगों को आने वाले मसीहा की भी याद दिलाई। यूहन्ना एक विरोधाभासी व्यक्ति और वास्तव में एक असामान्य व्यक्ति था। लुका ने हमें अपने चमत्कारी जन्म के बारे में बताया है (देखें Ao – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला का जन्म)। उनका पूरा बचपन बीत चुका है, और उनके जीवन का अगला प्रमुख विकास उनके मंत्रालय की शुरुआत थी। वह एक पुजारी, भविष्यवक्ता और प्रचारक थे। वह जन्म से याजक था क्योंकि वह जकर्याह का पुत्र था, परन्तु उसे यहोवा के द्वारा भविष्यद्वक्ता और उपदेशक होने के लिए बुलाया गया था। इस प्रकार, दृश्य सेट किया गया है, और यूहन्ना ने अपनी सेवकाई शुरू होने तक जंगल में एकांत का जीवन व्यतीत किया (लूका १:८०)।